ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE - 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಏಪ್ರಿಲ್ — 2012

S. S. L. C. EXAMINATION, APRIL — 2012

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 02. 04. 2012 ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 02. 04. 2012 **Code No. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

[ಪರಮಾವಧಿ ಅಂಕಗಳು : 125

[Max. Marks : 125

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
I.	सही उत्तर चुनना :	15 × 1 = 15	
1.	(A)	धनपतराय	1
2.	(B)	विद्यानिवास मिश्र	1
3.	(C)	तारबाबू	1
4.	(D)	कलकत्ता	1
5.	(A)	उत्तर प्रदेश	1
6.	(B)	सन् 1886	1
7.	(C)	रूनकता गाँव	1
8.	(D)	दिल्ली	1
9.	(A)	कितनी नावों में कितनी बार	1
10.	(B)	हनुमान	1
11.	(C)	भूख न लगना	1
12.	(D)	दीर्घ	1
13.	(D)	तत्पुरुष समास	1
14.	(B)	वस्त्र	1
15.	(C)	गाय ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर			अंक
II.	खाली जगह भरना :			5 × 1 = 5
16.	प्रकोष्ठ			1
17.	11 प्रतिशत			1
18.	मानव जीवन			1
19.	ईश्वर			1
20.	घरों			1
III. 21.	जोड़कर लिखना :			5 × 1 = 5
	''अ''		''आ''	
	(i)	(B)	मारना पाप समझते हैं ।	1
	(ii)	(E)	प्रकृति की अनमोल देन है ।	1
	(iii)	(G)	सुमित्रानंदन पंत ।	1
	(iv)	(F)	गोविन्दपुर गाँव ।	1
	(v)	(A)	कल्पना करना ।	1
IV.	**एक** वाक्य में उत्तर :			10 × 1 = 10
22.	निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है ।			1
23.	रोहतास-दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की अकेली दुहिता थी ।			1
24.	शरतबाबू का मकान, हुगली जिले में है ।			1
25.	बंगाल के वंदेमातरम और जन-गण-मन राष्ट्रीय गीत बने ।			1
26.	कुवेंपु के मन पर परिवार एवं माता-पिता का प्रभाव पड़ा था ।			1
27.	मरण का सुन्दर शृंगार संगसौध (संगमरमर का महल) में हो रहा है ।			1
28.	कवि श्रीकृष्ण के गोपवेश को सदा अपने मन में बसाना चाहता है ।			1
29.	आज की दुनिया विचित्र नवीन है ।			1
30.	वचन के दो प्रकार हैं — एकवचन और बहुवचन ।			1
31.	लिंग के दो प्रकार हैं — पुल्लिंग और स्त्रीलिंग ।			1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
V.	**दो-दो** वाक्यों में उत्तर लिखना : $15 \times 2 = 30$	
32.	उनका किसी से बैर नहीं, द्वेष नहीं । वे किसी का बुरा नहीं सोचते । पर चौबीसों घंटे वे निन्दा कर्म में बहुत पवित्र भाव से लगे रहते हैं ।	2
33.	ममता रोहतास-दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी थी और शोण के तीक्ष्ण गंभीर प्रवाह को देख रही थी ।	2
34.	''हुक्म हुआ कि तुम इतने कर्मचारियों को लेकर रोज सुबह आठ बजे दफ्तर में आया करो और ठीक दस बजे मेरे कागज मेरी मेज पर रखे मिलें ।''	2
35.	शरतबाबू की झोपड़ी के सामने से एक मेज, एक कुर्सी, एक लंबी तिपाई और दो अलमारियाँ दिखाई पड़ती थीं ।	2
36.	मनुष्य अपने अवयवों के बाहुल्य और इनके समायोजन और संगठन के कारण जीवधारियों में सबसे अधिक विकसित और श्रेष्ठ गिना जाता है ।	2
37.	काव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, काव्य-शास्त्र, आलोचना, बाल-साहित्य, जीवनी और आत्मकथा आदि विधाओं में कुवेंपुजी ने लिखा है ।	2
38.	प्रात:काल उठते ही अपनी माता-पिताओं को देखना । यशोदा से माखन रोटी पाना और खाना । प्रतिदिन ग्वाल बालों के साथ खेलने जाना आदि बातों की याद करते हैं ।	2
39.	राधा पवन से इस प्रकार कहती है कि, ''तुम मथुरा जाकर श्रीकृष्ण से मेरी विरह वेदना की कथा सुनाओ । और उनकी पाद धूलि को अत्यन्त जतन से (धीरे-धीरे) मुझे लाकर देना ।''	2
40.	जिस समस्त पद का एक पद विशेषण अथवा उपमावाचक हो, उसे 'कर्मधारय समास' कहते हैं ।	2
41.	जब दो वर्ण पास-पास आने के कारण, उनके मेल से जो विकार होता है, उसे 'संधि' कहते हैं ।	2
42.	क्रिया विशेषण वह अव्यय है जो क्रिया की किसी विशेषता को बताता है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
43.	मानव जीवन में गौरव उसी को मिलता है जो हर परिस्थिति में अपना धैर्य बनाए रखता है ।	2
44.	श्रीकृष्ण का मुरली नाद (आवाज) अपने कानों में पड़ते ही, श्रीकृष्ण को देखने के लिए गोपिकाएँ ब्रज से मथुरा भाग जाना चाहती हैं ।	2
45.	एक भूमि है, एक व्योम है, एक सूर्य है, एक सोम है, एक प्रकृति है, एक पुरुष है अगणित रूपाकार । कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार ।	2
46.	कल काननि कुंडल मोरपखा, उर पै बनमाल विराजति है । मुरली कर मैं अधरा मुसकानि-तरंग, महाछवि छाजति है ॥	2
VI.	**चार-चार** वाक्यों में उत्तर लिखना : $10 \times 3 = 30$	
47.	किसी ने कहा — आओ, मैं तुम्हें अपना प्राइवेट सेक्रेटरी बनाऊँगा । किसी ने लिखा — मैं तुम्हारे साथ बैठकर संस्कृत पढ़ूँगा । किसी ने कहा-मैं तुम्हारे लिए एक छापाखाना खुलवा दूँगा आदि ।	3
48.	प्रकृति की समानता के बारे में कवि के यह विचार हैं कि, जगत में एक ही अग्नि है, एक ही वायु है, एक ही भूमि है, एक ही आकाश है । सूर्य-चंद्र समान रूप से अपना कार्य निभाते हैं । एक ही परमात्मा है ।	3
49.	हमारा एक जातीय व्यक्तित्व है । वेश-भूषा, रहन-सहन और शक्ल-सूरत में भेद होते हुए भी भारतवासी अपने जातीय व्यक्तित्व से पहचान लिए जाते हैं । वह व्यक्तित्व हमारी जातीय मनोवृत्ति, जीवन-मीमांसा, रहन-सहन, रीति-रिवाज, उठने-बैठने के ढंग, चाल-ढाल, वेश-भूषा, साहित्य, संगीत और कला में अभिव्यक्त होता है । विदेशी प्रभाव पड़ने पर भी वह बहुत अंशों में अक्षुण्ण बना हुआ है । वही हमारी एकता का मूल सूत्र है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
50.	अ) वृषभानु = वृषभानु + जा = राधा	1
	वृषभ + अनुजा = बैल की बहन गाय ।	1
	आ) हलधर = बैल, बलदाऊ (कृष्ण का बड़ा भाई)	1
	अलंकार का नाम 'श्लेष' है ।	1
51.	(13) (11) । । । । । । ऽ ऽ । ऽ ऽ । । ऽ । । ऽ ऽ । कनक कनक तैं सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।	2
	13 मात्राएँ + 11 मात्राएँ = 24 मात्राएँ ।	
	छंद का नाम 'दोहा' है ।	1
52.	जयशंकर प्रसाद :	
	i) वाराणसी	$\frac{1}{2}$
	ii) सन् 1889 – सन् 1937	$\frac{1}{2}$
	iii) कामायनी, चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, अजातशत्रु, इन्द्रजाल, आँधी आदि ।	1
	iv) जयशंकर प्रसादजी की बाल्यावस्था में ही पिता देवी प्रसाद और बड़े भाई के निधन के कारण परिवार की जिम्मेदारी इन पर पड़ी थी । प्रसादजी की प्रतिभा बहुमुखी थी । वे आधुनिक हिन्दी साहित्य के श्रेष्ठ लेखक थे ।	1
53.	तुलसीदास :	
	i) राजापुर	$\frac{1}{2}$
	ii) सन् 1532 – सन् 1623	$\frac{1}{2}$
	iii) रामचरितमानस, विनयपत्रिका, कवितावली, गीतावली, दोहावली आदि ।	1
	iv) तुलसीदास प्राचीन हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवियों में से एक थे । वे राम के परम भक्त थे । उनका रामचरितमानस ग्रन्थ सर्वश्रेष्ठ है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
54.	पाठ का नाम 'आँगन का पंछी' है । लेखक का नाम विद्यानिवास मिश्र है । लेखक के मन में गौरैया के प्रति अपार प्रेम है । इसलिए लेखक का विचार है कि, भारतीयों में गौरैया के प्रति यह विश्वास है कि, वह पक्षियों में ब्राह्मण है । अतः उसे मारना पाप है, उसका आँगन में न होना अपूर्ति है । लेखक कहते हैं कि, यह हमारी संस्कृति से जुड़ी हुई है । इसलिए वे कहते हैं कि, वह आँगन का पंछी है ।	3
55.	पाठ का नाम 'तपस्या' है । लेखक का नाम हिमांशु जोशी है । रथीनबाबू ने पराधीनता की बेड़ियों से देश को मुक्त करने का व्रत लिया था इसलिए उन्होंने एक बार भी घर की तरफ पीछे मुड़कर नहीं देखा । एक दिन यशवंती तटस्थ होकर घर की तरफ ध्यान देने के लिए कहती है तब रथीनबाबू इस बात को कहते हैं ।	3
56.	पद्य का नाम 'उड़ चल, हारिल' है । कवि का नाम अज्ञेय है । कवि आशावादी हैं, वे कहते हैं कि, मनुष्य को अपने जीवन में आशावादी होना चाहिए । वे पक्षी का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि, समस्याओं का सामना करते हुए जीवन में आगे बढ़ना चाहिए । अतः हमें परिश्रमी बने रहने का संदेश देते हैं ।	
VII.	उत्तर **आठ-आठ** वाक्यों में लिखिए : $2 \times 4 = 8$	
57.	हीरा और मोती दोनों काछी जाति के बैल थे । देखने में बहुत सुन्दर और सुडौल थे । बहुत दिनों से साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था । दोनों सदा आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक दूसरे से मूक भाषा में विचार विनिमय किया करते थे । एक दूसरे की मन की बात समझ सकते थे । दोनों एक दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे । कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
58.	जिन्दगी भर बच्चे एक-एक टुकड़ा रोटी के लिए तरसते रहे । यशवंती मैके से माँग-माँगकर गुजारा चलाती रही । बच्चे आगे नहीं पढ़ सके, कि फीस के लिए पैसे कहाँ से लाती ? तीज-त्यौहारों पर बाहर निकलने के लिए झींकते रहे, कि तन ढकने के लिए कभी ढंग के कपड़े नसीब नहीं हुए । यशवंती ने दूसरों के खेतों में काम करके जीवन बिताया ।	4
59.	कवि का नाम बताते हुए सरल हिन्दी में भावार्थ लिखना : $2 \times 4 = 8$ आज का मानव प्रकृति पर सर्वत्र विजयी है । वह वायु, जल, आकाश सबको अपने वश में कर चुका है । अपनी तीक्ष्ण बुद्धि से सिन्धु से आकाश तक को नाप रहा है । आज मनुष्य नदियाँ, पर्वत और समुद्र को समान रूप से लाँघ सकता है ।	4
60.	कृष्ण अपने प्रति गोपिकाओं की प्रेम परीक्षा करने के लिए अपने मित्र उद्धव को गोपिकाओं के पास भेजते हैं । उद्धव जब गोपिकाओं से कृष्ण को भूलकर निर्गुण की उपासना करने का उपदेश देते हैं तब गोपिकाएँ उनसे निर्गुण के अस्तित्व पर प्रश्न करके निरुत्तर कर देती हैं ।	4
61.	पत्र लेखन : $1 \times 4 = 4$ स्थल का नाम : $\frac{1}{2}$ तारीख : $\frac{1}{2}$ संबोधन : $\frac{1}{2}$ कलेवर (Body of the letter) $1\frac{1}{2}$ समापन $\frac{1}{2}$ हस्ताक्षर $\frac{1}{2}$	4
VIII. 62.	निबंध लेखन : $1 \times 5 = 5$ प्रस्तावना 1 विषय विस्तार 3 समापन 1	5

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IX. 63.	गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखना : $5 \times 1 = 5$ (i) विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त, 1919 ई० में हुआ था । (ii) विक्रम साराभाई का जन्म एक प्रतिष्ठित उद्योगपति के परिवार में हुआ था । (iii) विक्रम साराभाई के माता का नाम सरलादेवी और पिता का नाम अंबालाल था । (iv) विक्रम साराभाई बाल्यकाल से ही प्रतिभावान थे । (v) यह बालक बड़ा होकर बहुत यश प्राप्त करेगा ।	